

॥ रुद्रपदपाठः ॥

ॐ। गुणानाम्। त्वा। गुणपतिमिति गुण-पतिम्। हवामहे। कविम्। कवीनाम्।
उपमश्रवस्तमित्युपमश्रवः-तमम्॥ ज्येष्ठराजमिति ज्येष्ठ-राजम्। ब्रह्मणाम्। ब्रह्मणः।
पते। एति। नः। शृण्वन्। ऊतिभिरित्यूति-भिः। सीद। सादनम्॥

नमः। ते। रुद्र। मन्यवै। उतो इति। ते। इषवे। नमः॥ नमः। ते। अस्तु। धन्वने। बाहुभ्यामिति
बाहु-भ्याम्। उत। ते। नमः॥ या। ते। इषुः। शिवतमेति शिव-तमा। शिवम्। बभूव। ते।
धनुः॥ शिवा। शरव्या। या। तवा। तया। नः। रुद्र। मृडय॥ या। ते। रुद्र। शिवा। तनूः।
अघोरा। अपापकाशिनीत्यपाप-काशिनी॥ तया। नः। तनुवा। शन्तमयेति शम्-तमया।
गिरिशन्तेति गिरि-शन्त। अभीति। चाकशीहि॥ याम्। इषुम्। गिरिशन्तेति गिरि-शन्त।
हस्तै। (१)

बिभर्षि। अस्तवे॥ शिवाम्। गिरित्रेति गिरि-त्र। ताम्। कुरु। मा। हि॒सीः। पुरुषम्।
जगत्॥ शिवेन। वचसा। त्वा। गिरिश। अच्छा। वदामसि॥ यथा। नः। सर्वम्। इत्।
जगत्। अयक्ष्मम्। सुमना इति सु-मनाः। असत्॥ अधीति। अवोचत्। अधिवक्तेत्यधि-
वक्ता। प्रथमः। दैव्यः। भिषक्॥ अहीन। च। सर्वान्। जम्भयन्। सर्वाः। च। यातुधान्य
इति यातु-धान्यः॥ असौ। यः। ताम्रः। अरुणः। उत। बभ्रुः। सुमङ्गल इति सु-मङ्गलः॥
ये। च। इमाम्। रुद्राः। अभितः। दिक्षु। (२)

श्रिताः। सहस्रश इति सहस्र-शः। अवेति। एषाम्। हेडः। ईमहे॥ असौ। यः। अवसर्पतीत्यव-
सर्पति। नीलग्रीव इति नील-ग्रीवः। विलोहित इति वि-लोहितः॥ उत। एनम्। गोपा इति
गो-पाः। अदृशन्। अदृशन्। उदहार्य इत्युद-हार्यः॥ उत। एनम्। विश्वा। भूतानि। सः। दृष्टः।
मृडयाति। नः॥ नमः। अस्तु। नीलग्रीवायेति नील-ग्रीवाय। सहस्राक्षायेति सहस्र-अक्षायां।
मीदुषै॥ अथो इति। ये। अस्य। सत्वानः। अहम्। तेभ्यः। अकुरुम्। नमः॥ प्रेति। मुञ्च।
धन्वनः। त्वम्। उभयोः। आर्बियोः। ज्याम्॥ याः। च। ते। हस्तै। इषवे। (३)

परेति। ताः। भगव इति भग-वः। वप॥ अवतत्येत्यव-तत्यां। धनुः। त्वम्। सहस्राक्षेति
सहस्र-अक्ष। शतेषुध इति शत-इषुधे॥ निशीर्येति नि-शीर्य। शल्यानाम्। मुखौ। शिवः।
नः। सुमना इति सु-मनाः। भव॥ विज्यमिति वि-ज्यम्। धनुः। कपर्दिनः। विशल्य इति वि-

श॒ल्यः। बा॒णवा॒निति॑ बा॒ण-वा॒न्। उ॒त॥ अ॒नै॒शन्। अ॒स्य। इ॒षवः। आ॒भुः। अ॒स्य। नि॒षङ्गि॑थिः॥
 या। ते। हे॒तिः। मी॒ढुष्ट॑मेति॑ मी॒ढुः-त॒म्। ह॒स्तै॑। ब॒भूव॑। ते। ध॒नुः॥ त॒या॑। अ॒स्मान्। वि॒श्वतः॑।
 त्वम्। अ॒य॒क्ष्म॒या॑। प॒रीति॑। भु॒ज्॥ न॒मः। ते। अ॒स्तु। आ॒यु॒धाय॑। अ॒ना॒त॒ता॒येत्य॑ना॒-त॒ता॒य॑।
 धृ॒ष्ण॒वै॥ उ॒भा॒भ्या॑म्। उ॒त। ते। न॒मः। बा॒हु॒भ्या॑मिति॑ बा॒हु॒भ्या॑म्। त॒व। ध॒न्व॒ने॥ प॒रीति॑।
 ते। ध॒न्व॒नः। हे॒तिः। अ॒स्मान्। वृ॒ण॒क्तु। वि॒श्वतः॑॥ अथो॒ इति॑। यः। इ॒षुधि॑रिती॒षु-धिः। त॒व।
 आ॒रे। अ॒स्मत्। नी॒ति॑। धे॒हि। तम्॥ (४)

न॒मः। हि॒र॒ण्य॒बा॒हव॑ इति॑ हि॒र॒ण्य॒-बा॒ह॒वे। से॒ना॒न्य॑ इति॑ से॒ना॒-न्य॑। दि॒शाम्। च। प॒त॒ये। न॒मः।
 न॒मः। वृ॒क्षे॒भ्यः। ह॒रि॒केशे॑भ्य इति॑ ह॒रि॒-केशे॑भ्यः। प॒शूना॑म्। प॒त॒ये। न॒मः। न॒मः। स॒स्मि॒ञ्ज॒राय॑।
 त्वि॒षी॒म॒त॒ इति॑ त्वि॒षी॒-म॒ते। प॒थी॒ना॑म्। प॒त॒ये। न॒मः। न॒मः। ब॒भ्रु॒शाय॑। वि॒व्या॒धि॒न् इति॑
 वि॒-व्या॒धि॒नै॑। अ॒न्ना॒ना॑म्। प॒त॒ये। न॒मः। न॒मः। ह॒रि॒केशा॑येति॑ ह॒रि॒-केशा॑य॒। उ॒प॒वी॒ति॒न् इत्यु॑प॒-
 वी॒ति॒नै॑। पु॒ष्टा॒ना॑म्। प॒त॒ये। न॒मः। न॒मः। भ॒व॒स्य॑। हे॒त्यै। ज॒ग॒ता॑म्। प॒त॒ये। न॒मः। न॒मः।
 रु॒द्राय॑। आ॒त॒ता॒वि॒न् इत्या॑-त॒ता॒वि॒नै॑। क्षे॒त्रा॒णा॑म्। प॒त॒ये। न॒मः। न॒मः। सू॒ता॒य॑। अ॒ह॒न्त्या॑य॒।
 व॒ना॒ना॑म्। प॒त॒ये। न॒मः। न॒मः। (५)

रोहि॑ताय॒। स्थ॒प॒त॒ये। वृ॒क्षा॒णा॑म्। प॒त॒ये। न॒मः। न॒मः। म॒न्त्रि॒णै॑। वा॒णि॒जा॒य॑। क॒क्षा॒णा॑म्।
 प॒त॒ये। न॒मः। न॒मः। भु॒व॒न्त॒ये॑। वा॒रि॒व॒स्कृ॒ता॒येति॑ वा॒रि॒वः-कृ॒ता॒य॑। ओ॒ष॒धी॒ना॑म्। प॒त॒ये।
 न॒मः। न॒मः। उ॒च्चैर्घो॑षा॒येत्यु॑च्चैः-घो॒षा॒य॑। आ॒क्र॒न्द॒य॒न्त॒ इत्या॑-क्र॒न्द॒य॒न्ते। प॒त्ती॒ना॑म्। प॒त॒ये।
 न॒मः। न॒मः। कृ॒त्स्न॒वी॒ता॒येति॑ कृ॒त्स्न॒-वी॒ता॒य॑। धा॒व॒न्ते। स॒त्त्वंना॑म्। प॒त॒ये। न॒मः॥ (६)

न॒मः। स॒ह॒मा॒ना॒य॑। नि॒व्या॒धि॒न् इति॑ नि॒-व्या॒धि॒नै॑। आ॒व्या॒धि॒नी॒ना॒मित्या॑-व्या॒धि॒नी॒ना॑म्। प॒त॒ये।
 न॒मः। न॒मः। क॒कु॒भा॒य॑। नि॒षङ्गि॑ण इति॑ नि॒-सङ्गि॑नै॒। स्ते॒ना॒ना॑म्। प॒त॒ये। न॒मः। न॒मः।
 नि॒षङ्गि॑ण इति॑ नि॒-सङ्गि॑नै॒। इ॒षुधि॑म॒त् इती॑षुधि॒-म॒तै॑। त॒स्क॒रा॒णा॑म्। प॒त॒ये। न॒मः। न॒मः।
 व॒ञ्च॒ते। प॒रि॒व॒ञ्च॒न्त॒ इति॑ प॒रि॒-व॒ञ्च॒ते। स्ता॒यूना॑म्। प॒त॒ये। न॒मः। न॒मः। नि॒चे॒र॒व॒ इति॑ नि॒-चे॒र॒वै॑।
 प॒रि॒च॒रा॒येति॑ प॒रि॒-च॒रा॒य॑। अ॒र॒ण्य॒ना॑म्। प॒त॒ये। न॒मः। न॒मः। सू॒का॒वि॒भ्य॒ इति॑ सू॒का॒वि॒-भ्यः॑।
 जि॒घा॒स॒ञ्च॒ इति॑ जि॒घा॒स॒त्-भ्यः॑। मु॒ष्ण॒ता॑म्। प॒त॒ये। न॒मः। न॒मः। अ॒सि॒म॒ञ्च॒ इत्य॑सि॒म॒त्-
 भ्यः॑। न॒क्त॑म्। च॒र॒ञ्च॒ इति॑ च॒र॒त्-भ्यः॑। प्र॒कृ॒न्ता॒ना॒मिति॑ प्र॒-कृ॒न्ता॒ना॑म्। प॒त॒ये। न॒मः। न॒मः।
 उ॒ष्णी॒षि॒णै॑। गि॒रि॒च॒रा॒येति॑ गि॒रि॒-च॒रा॒य॑। कु॒लु॒ञ्चा॒ना॑म्। प॒त॒ये। न॒मः। न॒मः। (७)

इ॒षु॒म॒ञ्च॒ इती॑षु॒म॒त्-भ्यः॑। ध॒न्वा॒वि॒भ्य॒ इति॑ ध॒न्वा॒वि॒-भ्यः॑। च। वः। न॒मः। न॒मः। आ॒त॒न्वा॒ने॒भ्य॒

इत्या॑-तन्वा॑नेभ्यः। प्रति॑दधानेभ्य इति॑ प्रति-दधानेभ्यः। च। वः। नमः। नमः। आय॑च्छद्भ्य
 इत्या॑यच्छत्-भ्यः। विसृ॑जद्भ्य इति॑ विसृजत्-भ्यः। च। वः। नमः। नमः। अस्य॑द्भ्य इत्यस्यत्-
 भ्यः। विध्य॑द्भ्य इति॑ विध्यत्-भ्यः। च। वः। नमः। नमः। आसी॑नेभ्यः। शया॑नेभ्यः। च। वः।
 नमः। नमः। स्वप॑द्भ्य इति॑ स्वपत्-भ्यः। जाग्र॑द्भ्य इति॑ जाग्रत्-भ्यः। च। वः। नमः। नमः।
 तिष्ठ॑द्भ्य इति॑ तिष्ठत्-भ्यः। धाव॑द्भ्य इति॑ धावत्-भ्यः। च। वः। नमः। नमः। सभा॑भ्यः।
 सभाप॑तिभ्य इति॑ सभापति-भ्यः। च। वः। नमः। नमः। अश्वे॑भ्यः। अश्वप॑तिभ्य इत्यश्वपति-
 भ्यः। च। वः। नमः॥ (८)

नमः। आव्या॑धिनी॑भ्य इत्या॑-व्याधिनी॑भ्यः। विविध्य॑न्तीभ्य इति॑ वि-विवध्यन्तीभ्यः। च। वः।
 नमः। नमः। उग॑णाभ्यः। तृ॒हृ॒तीभ्यः। च। वः। नमः। नमः। गृथ्से॑भ्यः। गृथ्सप॑तिभ्य इति॑
 गृथ्सपति-भ्यः। च। वः। नमः। नमः। व्रात॑ेभ्यः। व्रातप॑तिभ्य इति॑ व्रातपति-भ्यः। च। वः।
 नमः। नमः। ग॒णेभ्यः। गणप॑तिभ्य इति॑ गणपति-भ्यः। च। वः। नमः। नमः। विरू॑पेभ्य
 इति॑ वि-रूपेभ्यः। विश्व॑रूपेभ्य इति॑ विश्व-रूपेभ्यः। च। वः। नमः। नमः। मह॑द्भ्य इति॑
 महत्-भ्यः। क्षु॒ल्ल॒केभ्यः। च। वः। नमः। नमः। रथि॑भ्य इति॑ रथि-भ्यः। अ॒रथे॑भ्यः। च। वः।
 नमः। नमः। रथे॑भ्यः। (९)

रथ॑पतिभ्य इति॑ रथपति-भ्यः। च। वः। नमः। नमः। सेना॑भ्यः। सेना॒निभ्य इति॑ सेना॒नि-
 भ्यः। च। वः। नमः। नमः। क्षत्तृ॑भ्य इति॑ क्षत्तृ-भ्यः। स॒ङ्ग्रही॑तृभ्य इति॑ स॒ङ्ग्रही॑तृ-भ्यः। च।
 वः। नमः। नमः। तक्ष॑भ्य इति॑ तक्ष-भ्यः। रथ॑कारेभ्य इति॑ रथ-कारेभ्यः। च। वः। नमः।
 नमः। कुला॑लेभ्यः। कुम॑रिभ्यः। च। वः। नमः। नमः। पुञ्जि॑ष्ठेभ्यः। निषा॑देभ्यः। च। वः।
 नमः। नमः। इषु॑कृद्भ्य इतीषु॑कृत्-भ्यः। धन्व॑कृद्भ्य इति॑ धन्वकृत्-भ्यः। च। वः। नमः। नमः।
 मृग॑युभ्य इति॑ मृगयु-भ्यः। श्वनि॑भ्य इति॑ श्वनि-भ्यः। च। वः। नमः। नमः। श्वभ्य॑ इति॑
 श्व-भ्यः। श्वप॑तिभ्य इति॑ श्वपति-भ्यः। च। वः। नमः॥ (१०)

नमः। भ॒वाय॑। च। रु॒द्राय॑। च। नमः। श॒र्वाय॑। च। प॒शुप॑तय इति॑ पशु-पतये। च। नमः।
 नील॑ग्रीवायेति॑ नील॑-ग्रीवाय॑। च। शि॒ति॒कण्ठा॑येति॑ शिति॑-कण्ठा॑य। च। नमः। क॒प॒दि॒नै॑।
 च। व्यु॑प्तकेशायेति॑ व्यु॑प्त-केशाय॑। च। नमः। स॒हस्रा॑क्षायेति॑ सहस्र॑-अ॒क्षाय॑। च। श॒त॒ध॒न्व॒न॒
 इति॑ श॒त॒ध॒न्व॒ने॑। च। नमः। गि॒रि॒शा॒य॑। च। शि॒पि॒वि॒ष्टा॑येति॑ शिपि॑-वि॒ष्टाय॑। च। नमः।
 मी॒ढु॒ष्ट॒मा॑येति॑ मी॒ढुः-त॒माय॑। च। इषु॑मत् इतीषु॑-मते। च। नमः। ह॒स्वाय॑। च। वा॒म॒नाय॑।
 च। नमः। बृ॒ह॒ते॑। च। व॒र्षी॑यसे। च। नमः। वृ॒द्धा॑य॑। च। स॒वृ॒ध्व॒न॒ इति॑ स॒म॒-वृ॒ध्व॒ने॑।
 च। (११)

नमः। अग्रियाया च। प्रथमाया च। नमः। आश्वै। च। अजिराय। च। नमः। शीघ्रियाया च। शीभ्याया च। नमः। ऊर्म्याया च। अवस्वन्यायेत्यव-स्वन्याया च। नमः। स्रोतस्याया च। द्वीप्याया च॥ (१२)

नमः। ज्येष्ठाय। च। कनिष्ठाय। च। नमः। पूर्वजायेति पूर्व-जाया च। अपरजायेत्यपर-जाया च। नमः। मध्यमाया च। अपगल्भायेत्यप-गल्भाया च। नमः। जघन्याया च। बुध्नियाया च। नमः। सोभ्याया च। प्रतिसूर्यायेति प्रति-सूर्याया च। नमः। याम्याया च। क्षेम्याया च। नमः। उर्वर्याया च। खल्याया च। नमः। श्लोक्याया च। अवसान्यायेत्यव-सान्याया च। नमः। वन्याया च। कक्ष्याया च। नमः। श्रवाया च। प्रतिश्रवायेति प्रति-श्रवाया च। (१३)

नमः। आशुषेणायेत्याशु-सेनाया च। आशुरंथायेत्याशु-रंथाया च। नमः। शूराया च। अवभिन्दत इत्यव-भिन्दते। च। नमः। वर्मिण। च। वरूथिने। च। नमः। बिल्मिने। च। कवचिने। च। नमः। श्रुताया च। श्रुतसेनायेति श्रुत-सेनाया च॥ (१४)

नमः। दुन्दुभ्याया च। आहनन्यायेत्या-हनन्याया च। नमः। धृष्णवै। च। प्रमृशायेति प्र-मृशाय। च। नमः। दूताया च। प्रहितायेति प्र-हिताया च। नमः। निषङ्गिण इति नि-सङ्गिने। च। इषुधिमत इतीषुधि-मते। च। नमः। तीक्ष्णेष्व इति तीक्ष्ण-इष्वे। च। आयुधिने। च। नमः। स्वायुधायेति सु-आयुधाय। च। सुधन्वन् इति सु-धन्वने। च। नमः। स्रुत्याया च। पथ्याया च। नमः। काट्याया च। नीप्याया च। नमः। सूद्याया च। सरस्याया च। नमः। नाद्याया च। वैशन्ताया च। (१५)

नमः। कूप्याया च। अवट्याया च। नमः। वर्ष्याया च। अवर्ष्याया च। नमः। मेघ्याया च। विद्युत्यायेति वि-द्युत्याया च। नमः। ईध्रियाया च। आतप्यायेत्या-तप्याया च। नमः। वात्याया च। रेष्मियाया च। नमः। वास्तव्याया च। वास्तुपायेति वास्तु-पाया च॥ (१६)

नमः। सोमाया च। रुद्राया च। नमः। ताम्राया च। अरुणाया च। नमः। शङ्गाया च। पशुपतय इति पशु-पतये। च। नमः। उग्राया च। भीमाया च। नमः। अग्रेवधायेत्यग्रे-वधाया च। दूरेवधायेति दूरे-वधाया च। नमः। हन्त्रे। च। हनीयसे। च। नमः। वृक्षेभ्यः। हरिकेशेभ्य इति हरि-केशेभ्यः। नमः। ताराया च। नमः। शम्भव इति शम्-भवै। च। मयोभव इति मयः-भवै। च। नमः। शङ्करायेति शम्-कराय। च। मयस्कुरायेति मयः-कराय। च। नमः। शिवाया च। शिवतरायेति शिव-तराया च। (१७)

नमः। ती॒र्था॒या च। कू॒ल्या॒या च। नमः। पा॒र्या॒या च। अ॒वा॒र्या॒या च। नमः। प्र॒तर॑णा॒येति॑ प्र॒-
तर॑णाय। च। उ॒त्तर॑णा॒येत्यु॒त्-तर॑णाय। च। नमः। आ॒ता॒र्या॒येत्या॑-ता॒र्या॒या च। आ॒ला॒द्या॒येत्या॑-
ला॒द्या॒या च। नमः। श॒ष्या॒या च। फे॒न्या॒या च। नमः। सि॒क॒त्या॒या च। प्र॒वा॒ह्या॒येति॑
प्र॒वा॒ह्या॒या च॥ (१८)

नमः। इ॒रि॒ण्या॒या च। प्र॒प॒थ्या॒येति॑ प्र॒प॒थ्या॒या च। नमः। कि॒॒शिला॑या। च। क्ष॒य॒णा॒या च।
च। नमः। क॒प॒र्दि॒नै। च। पु॒ल॒स्त॒र्यै। च। नमः। गो॒ष्ठ्या॒येति॑ गो॒-स्थ्या॒या च। गृ॒ह्या॒या च।
नमः। त॒ल्य्या॒या च। गे॒ह्या॒या च। नमः। का॒ट्या॒या च। गृ॒ह्मे॒ष्टा॒येति॑ गृ॒हमे॒-स्था॒या च।
नमः। हृ॒द॒य्या॒या च। नि॒वे॒ष्या॒येति॑ नि॒वे॒ष्या॒या च। नमः। पा॒॒स॒व्या॒या च। र॒ज॒स्या॒या च।
च। नमः। शु॒ष्क्या॒या च। ह॒रि॒त्या॒या च। नमः। लो॒प्या॒या च। उ॒ल॒प्या॒या च। (१९)

नमः। ऊ॒र्व्या॒या च। सू॒र्या॒या च। नमः। पु॒र्या॒या च। पु॒र्ण॒श॒द्या॒येति॑ पु॒र्ण॒श॒द्या॒या च। नमः।
अ॒प॒गु॒रमा॑णा॒येत्य॑प॒गु॒रमा॑णाय। च। अ॒भि॒घ्न॒त इत्य॑भि॒घ्न॒ते। च। नमः। आ॒खि॒व॒द॒त इत्या॑-
खि॒द॒ते। च। प्र॒खि॒व॒द॒त इति॑ प्र॒खि॒द॒ते। च। नमः। वः। कि॒रि॒के॒भ्यः। दे॒वाना॑म्। हृ॒द॒ये॒भ्यः।
नमः। वि॒क्षी॒ण॒के॒भ्य इति॑ वि॒क्षी॒ण॒के॒भ्यः। नमः। वि॒चि॒न्व॒त्के॒भ्य इति॑ वि॒चि॒न्व॒त्के॒भ्यः। नमः।
आ॒नि॒र॒ह॒ते॒भ्य इत्या॑निः॒ह॒ते॒भ्यः। नमः। आ॒मी॒व॒त्के॒भ्य इत्या॑मी॒व॒त्के॒भ्यः॥ (२०)

द्रा॒पै। अ॒न्य॑सः। पु॒ते। द॒रि॒द्र॒त्। नी॒ल॒लो॒हि॒तेति॑ नी॒ल॒-लो॒हि॒त्॥ ए॒षाम्। पु॒रु॒षा॒णाम्। ए॒षाम्।
प॒शूना॑म्। मा। भेः। मा। अ॒रः। मो इति॑ ए॒षाम्। किम्। च॒न। आ॒म॒म॒त्॥ या। ते। रु॒द्र।
शि॒वा। त॒नूः। शि॒वा। वि॒श्वा॒ह॒भे॒ष॒जीति॑ वि॒श्वा॒ह॒-भे॒ष॒जी॥ शि॒वा। रु॒द्रस्य॑। भे॒ष॒जी। तया॑।
नः। मृ॒डा। जी॒व॒सै॥ इ॒माम्। रु॒द्रा॒या। त॒व॒सै। क॒प॒र्दि॒नै। क्ष॒य॒द्वी॒रा॒येति॑ क्ष॒य॒त्-वी॒रा॒या। प्रेति॑।
भ॒रा॒म॒हे। म॒ति॒म्॥ यथा॑। नः। श॒म्। अ॒स॒त्। द्वि॒प॒द इति॑ द्वि॒-प॒दै। चतु॑ष्प॒द इति॑ चतु॑-प॒दै।
वि॒श्व॒म्। पु॒ष्ट॒म्। ग्रा॒मे। अ॒स्मिन्। (२१)

अ॒ना॒तु॒र॒मि॒त्य॒ना॑-तु॒र॒म्॥ मृ॒डा। नः। रु॒द्र। उ॒त। नः। म॒यः। कृ॒धि। क्ष॒य॒द्वी॒रा॒येति॑ क्ष॒य॒त्-
वी॒रा॒या। नम॑सा। वि॒धे॒म्। ते॥ यत्। श॒म्। च। योः। च। म॒नुः। आ॒य॒ज इत्या॑-य॒जे। पि॒ता।
तत्। अ॒श्या॑म्। तव॑। रु॒द्र। प्र॒णी॒ता॒वि॒ति॑ प्र॒-नी॒तौ॥ मा। नः। म॒हान्त॑म्। उ॒त। मा। नः।
अ॒र्भ॒कम्। मा। नः। उ॒क्ष॒न्त॑म्। उ॒त। मा। नः। उ॒क्षि॑तम्॥ मा। नः। व॒धीः। पि॒तर॑म्। मा।
उ॒त। मा॒तर॑म्। प्रि॒याः। मा। नः। त॒नु॒वः। (२२)

रु॒द्र। री॒रि॒षः॥ मा। नः। तो॒के। त॒न॒ये। मा। नः। आ॒यु॑षि। मा। नः। गो॒षु। मा। नः। अ॒श्वेषु॑।
री॒रि॒षः॥ वी॒रा॒न्। मा। नः। रु॒द्र। भा॒मि॒तः। व॒धीः। ह॒वि॒ष्म॒न्तः। नम॑सा। वि॒धे॒म्। ते॥ आ॒रा॒त्।

ते। गोघ्न इति गो-घ्ने। उत। पूरुषघ्न इति पूरुष-घ्ने। क्षयद्वीरायेति क्षयत्-वीराय। सुघ्नम्।
 अस्मे इति। ते। अस्तु॥ रक्षा। च। नः। अधीति। च। देव। ब्रूहि। अधा। च। नः। शर्म।
 यच्छ। द्विबर्हा इति द्वि-बर्हाः॥ स्तुहि। (२३)

श्रुतम्। गर्तसदमिति गर्त-सदम्। युवानम्। मृगम्। ना। भीमम्। उपह्वुम्। उग्रम्॥ मृडा।
 जरित्रे। रुद्र। स्तवानः। अन्यम्। ते। अस्मत्। नीति। वपन्तु। सेनः॥ परीति। नः।
 रुद्रस्य। हेतिः। वृणक्तु। परीति। त्वेषस्य। दुर्मतिरिति दुः-मतिः। अघायोरित्यघा-योः॥
 अवेति। स्थिरा। मघवच्च इति मघवत्-भ्यः। तनुष्व। मीढ्वः। तोकायां तनयाय। मृडय॥
 मीढ्वष्टमेति मीढ्वः-तम्। शिवंतमेति शिव-तम्। शिवः। नः। सुमना इति सु-मनः। भव॥
 परमे। वृक्षे। आयुधम्। निधयेति नि-धाय। कृत्तिम्। वसानः। एति। चर। पिनाकम्। (२४)
 बिभ्रत्। एति। गृहि॥ विकिरिदेति वि-किरिद्। विलोहितेति वि-लोहित। नमः। ते। अस्तु।
 भगव इति भग-वः॥ याः। ते। सहस्रम्। हेतयः। अन्यम्। अस्मत्। नीति। वपन्तु। ताः॥
 सहस्राणि। सहस्रधेति सहस्र-धा। बाहुवोः। तव। हेतयः॥ तासाम्। ईशानः। भगव इति
 भग-वः। प्राचीना। मुखी। कृधि॥ (२५)

सहस्राणि। सहस्रश इति सहस्र-शः। ये। रुद्राः। अधीति। भूम्याम्॥ तेषाम्। सहस्रयोजन
 इति सहस्र-योजने। अवेति। धन्वानि। तन्मसि॥ अस्मिन्। महति। अर्णवे। अन्तरिक्षे।
 भवाः। अधि॥ नीलग्रीवा इति नील-ग्रीवाः। शितिकण्ठा इति शिति-कण्ठाः। शर्वाः।
 अधः। क्षमाचराः॥ नीलग्रीवा इति नील-ग्रीवाः। शितिकण्ठा इति शिति-कण्ठाः। दिवम्।
 रुद्राः। उपश्रिता इत्युप-श्रिताः॥ ये। वृक्षेषु। सस्पिञ्जराः। नीलग्रीवा इति नील-ग्रीवाः।
 विलोहिता इति वि-लोहिताः॥ ये। भूतानाम्। अधिपतय इत्यधि-पतयः। विशिखास इति
 वि-शिखासः। कपर्दिनः॥ ये। अत्रेषु। विविध्यन्तीति वि-विध्यन्ति। पात्रेषु। पिबतः। जनान्॥
 ये। पथाम्। पथिरक्षय इति पथि-रक्षयः। ऐलबृदाः। यव्युधः॥ ये। तीर्थानि। (२६)

प्रचरन्तीति प्र-चरन्ति। सूकावन्त इति सूका-वन्तः। निषङ्गिण इति नि-सङ्गिनः॥ ये।
 एतावन्तः। च। भूयांसः। च। दिशः। रुद्राः। वितस्थिर इति वि-तस्थिरे॥ तेषाम्।
 सहस्रयोजन इति सहस्र-योजने। अवेति। धन्वानि। तन्मसि॥ नमः। रुद्रेभ्यः। ये।
 पृथिव्याम्। ये। अन्तरिक्षे। ये। दिवि। येषाम्। अन्नम्। वातः। वर्षम्। इषवः। तेभ्यः।
 दश। प्राचीः। दश। दक्षिणा। दश। प्रतीचीः। दश। उदीचीः। दश। ऊर्ध्वाः। तेभ्यः। नमः।

ते। नः। मृडयन्तु। ते। यम्। द्विष्मः। यः। च। नः। द्वेष्टि। तम्। वः। जम्भे। दधामि॥ (२७)
 त्र्यम्बकमिति त्रि-अम्बकम्। यजामहे। सुगन्धिमिति सु-गन्धिम्। पुष्टिवर्धनमिति पुष्टि-
 वर्धनम्॥ उर्वारुकम्। इव। बन्धनात्। मृत्योः। मुक्षीय। मा। अमृतात्॥ यः। रुद्रः। अग्नौ।
 यः। अप्सिस्वत्यप्-सु। यः। ओषधीषु। यः। रुद्रः। विश्वा। भुवना। आविवेशेत्या-विवेशं।
 तस्मै। रुद्राय। नमः। अस्तु॥

॥ ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः ॥

